http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 88

प्रयागराज शनिवार 14 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

वैदिक मंत्रों के बीच पीएम मोदी ने किया संगम अभिषेक

महाकुम्भ नगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तीर्थराज प्रयागराज की पावन धरा पर त्रिवेणी संगम में पूजा अर्चना कर 13 जनवरी से 26 फरवरी तक होने जा रहे महाकुम्भ के सफल आयोजन की कामना की। पीएम मोदी ने इस अवसर पर गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी की आरती कर वैश्विक कल्याण का भी संकल्प लिया। तीर्थ पुरोहितों के द्वारा वैदिक मंत्रों के बीच पूरा कार्यक्रम संपन्न कराया गया। इस दौरान पीएम मोदी ने त्रिवेणी में अक्षत, चंदन, रोली, पुष्प और वस्त्र भी अर्पित किए। इससे पूर्व पीएम मोदी ने प्रमुख साधु संतों का आशीर्वाद भी लिया। इस अवसर पर पीएम के साथ सीएम योगी और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी मौजूद रहीं। यहां से पीएम सीधे संगम नोज पर बने पंडाल में पहुंचे। यहां उपस्थित तीर्थ पुरोहितों ने उन्हें आसन ग्रहण कराया। पीएम के अगल–बगल में सीएम योगी और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने भी आसन ग्रहण किया। इसके बाद तीर्थ पुरोहितों के वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पीएम मोदी ने पूजा अर्चना की। तीर्थ पुरोहितों ने उनसे आचमन भी कराया। पीएम मोदी ने खड़े होकर त्रिवेणी का जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक किया। पीएम मोदी, सीएम योगी और राज्यपाल ने अक्षत, चंदन, रोली और पुष्पमाला के साथ ही त्रिवेणी में वस्त्र भी अर्पित किया। इसके बाद पीएम ने संगम आरती भी की। अंत में पीएम मोदी ने विशेष रूप से सजाए गए प्रांगण में फोटोशूट भी कराया।

प्रयागराज में बोले पीएम मोदी, भारत पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश

महाकुंभ की पूरी दुनिया में होगी चर्चा

- प्रयागराज को पीएम मोदी की बड़ी सौगात
- महाकुंभ को लेकर पीएम मोदी बोले– ये एकता का ऐसा महायज्ञ, जिसकी पूरी में चर्चा होगी

प्रयागराज,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये एकता का ऐसा महायज्ञ होगा, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी। मैं इस आयोजन की भव्य और दिव्य सफलता की आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को 2025 के महाकुंभ के लिए शहर के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं में सुधार के लिए 5,500 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करने से पहले संगम नोज पहुंचे और पूजा की। प्रधान मंत्री ने गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के पवित्र संगम पर औपचारिक पूजा और दर्शन के साथ यात्रा शुरू की। पूजा से पहले मोदी ने नदी की यात्रा की। पूजा में प्रधानमंत्री के साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। मोदी ने कहा कि प्रयागराज में संगम की इस पावन भूमि को मैं श्रद्धापूर्वक प्रणाम करता हूं। महाकुंभ में पधार रहे सभी साधु–संतों को भी नमन करता हूं। महाकुंभ को सफल बनाने के लिए दिनरात परिश्रम कर रहे कर्मचारियों का, श्रमिकों और सफाईकर्मियों का मैं विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि विश्व का इतना बड़ा आयोजन, हर रोज लाखों श्रद्धालुओं के स्वागत और सेवा की तैयारी, लगातार 45 दिनों तक चलने वाला महायज्ञ, एक नया नगर बसाने के महा अभियान के माध्यम से प्रयागराज की इस धरती पर एक नया इतिहास रचा जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये एकता का ऐसा महायज्ञ होगा, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी। मैं इस आयोजन की भव्य और दिव्य सफलता की आप सभी को शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि हमारा भारत पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश है। ये गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी और नर्मदा जैसी अनगिनत पवित्र नदियों का देश है। उन्होंने कहा कि इन नदियों के प्रवाह की जो पवित्रता है, इन अनेकानेक तीर्थों का जो महत्व है, जो महात्म्य है, उनका संगम, उनका समुच्चय, उनका योग, उनका संयोग, उनका प्रभाव, उनका प्रताप ये प्रयाग है। प्रयाग वो है, जहां पग–पग पर पवित्र स्थान हैं, जहां पग–पग पर पुण्य क्षेत्र हैं। उन्होंने कहा कि ये केवल तीन पवित्र नदियों का ही संगम नहीं है। प्रयाग के बारे में कहा गया है रू श्माघ मकरगत रबि जब होई। तीरथपतिहिं आव सब कोई। इ अर्थात जब सूर्य मकर में प्रवेश करते हैं।

प्रधानमंत्री बताएं कि बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठा रहा है भारत: उद्धव ठाकरे

मुंबई,(एजेंसी)। उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को संसद को बताना चाहिए कि बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए भारत क्या कदम उठा रहा है। मुंबई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए कहा कि उसका हिंदुत्व केवल वोटों के लिए है। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को संसद को बताना चाहिए कि बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए भारत क्या कदम उठा रहा है। मुंबई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए कहा कि उसका हिंदुत्व केवल वोटों के लिए है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में मंदिरों में तोड़फोड़ की जा रही है, जहां पिछले कुछ महीनों में अल्पसंख्यक हिंदुओं को हिंसक हमलों का सामना करना पड़ा है। ठाकरे ने कहा कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत में सुरक्षित हैं, लेकिन पड़ोसी देश में हिंदुओं का क्या? ठाकरे ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी को संसद को बताना चाहिए कि भारत बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए क्या कदम उठा रहा है। संसद का शीतकालीन सत्र जारी है। उन्होंने कहा कि अगर प्रधानमंत्री ने रूस–यूक्रेन युद्ध रुकवा दिया, तो उन्हें बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार भी रोकना चाहिए।

'संवाद हमारे देश की परंपरा'

- ये देश भय से नहीं चल सकता, ये उठेगा और सत्य मांगेगा, सत्ता पक्ष पर भड़कीं प्रियंका गांधी
- संविधान न्याय, एकता और अभिव्यक्ति की आजादी का कवच: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रियंका गांधी ने कहा कि श्ये संविधान सिर्फ दस्तावेज नहीं है। इस संविधान के निर्माण में कई नेता वर्षों तक जुटे रहे। इस संविधान ने हर नागरिक को अधिकार दिया कि वो सरकार बना भी सकता है और सरकार बदल भी सकता है।श इस लोकसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान पहली बार बोलते हुए प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। लोकसभा में अपने पहले भाषण के दौरान प्रियंका गांधी 32 मिनट तक बोलीं, इस दौरान उन्होंने जातीय जनगणना, अदाणी मुद्दे, देश की एकता जैसे मुद्दों पर अपनी बात रखी। प्रियंका गांधी ने देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू का जिक्र करके भी सत्ता पक्ष को घेरा और पूछा कि वे अतीत को कब तक कोसते रहेंगे। श्संवाद हमारे देश की परंपराश प्रियंका गांधी ने कहा कि श्हजारों साल पुरानी हमारे देश की, धर्म की एक पुरानी परंपरा रही है, ये परंपरा संवाद, चर्चा की रही है। एक गौरवशाली परंपरा है, जो दर्शन ग्रंथों, वेदों और उपनिषदों में रही है। अलग–अलग धर्मों में इस्लाम, जैन, सिख धर्म में भी बहस और चर्चा की संस्कृति रही है। इसी परंपरा से हमारा स्वतंत्रता संग्राम उभरा। यह विश्व में अनोखी लड़ाई थी, जो सत्य और अहिंसा पर आधारित थी। हमारी आजादी की लड़ाई लोकतांत्रिक थी, जिसमें हर वर्ग, हर जाति धर्म के लोगों ने इसमें हिस्सा लिया और आजादी की लड़ाई लड़ी। उसी आजादी की लड़ाई से एक आवाज उभरी, वो ही आवाज हमारा देश का संविधान है।श प्रियंका गांधी ने उन्नाव, हाथरस की घटनाओं का किया उल्लेख प्रियंका गांधी ने कहा कि श्ये सिर्फ दस्तावेज नहीं है। इस संविधान के निर्माण में कई नेता वर्षों तक जुटे रहे। इस संविधान ने हर नागरिक को अधिकार दिया कि वो सरकार बना भी सकता है और सरकार बदल भी सकता है। संविधान की जोत ने हर नागरिक को यह विश्वास दिया कि देश बनाने में उसकी भी भागीदारी है। उन्नाव में मैं एक रेप पीड़िता के घर गई, उसे जलाकर मार डाला गया। हम सब के बच्चे हैं, हम सोच सकते हैं कि उस पर क्या बीती होगी। पीड़िता ने अकेले अपनी लड़ाई लड़ी। ये लड़ने की क्षमता और ये हिम्मत उस पीड़िता को और करोड़ों महिलाओं को ये ताकत हमारे संविधान दी। मैं हाथरस गई, वहां अरुण बाल्मिकी एक पुलिस स्टेशन में साफ–सफाई का काम करता था, उसे चोरी के आरोप में पीटा गया, उसकी मौत हुई। उसके परिवार ने कहा हमें न्याय चाहिए और ये ताकत उन्हें हमारे संविधान ने दी।श संविधान न्याय, एकता और अभिव्यक्ति की आजादी का कवच श्मैंने संविधान की जोत को जलते हुए देखा है। हमारा संविधान एक सुरक्षा कवच है।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' लोकतंत्र को नष्ट करने की भाजपा की चाल: राउत

मुंबई,(एजेंसी)। संजय राउत ने कहा कि ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' लोकतंत्र को नष्ट करने की भाजपा की चाल है और पार्टी अपने ''स्वार्थी'' उद्देश्य के लिए इस विधेयक पर जोर दे रही है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान संशोधन विधेयक को मंजूरी दे दी। शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि ''एक राष्ट्र, एक चुनाव'' लोकतंत्र को नष्ट करने की भाजपा की चाल है और पार्टी अपने ''स्वार्थी'' उद्देश्य के लिए इस विधेयक पर जोर दे रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के लिए संविधान संशोधन विधेयक को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। राउत ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि भाजपा अपने स्वार्थी उद्देश्य के लिए एक राष्ट्र, एक चुनाव पर जोर दे रही है। उन्होंने कहा, एक राष्ट्र, एक चुनाव लोकतंत्र को पूरी तरह से नष्ट करने की चाल है। उन्होंने कहा कि राज्य और राष्ट्र से संबंधित मुद्दे अलग–अलग होते हैं और लोगों को उसी के अनुसार मतदान करना होता है। राउत ने महाराष्ट्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, आपने अभी तक बीएमसी (बृहन्मुंबई नगर निगम) के चुनाव नहीं कराए हैं। हार के डर से आपने नगर निकाय चुनाव नहीं कराए।

'एक पार्टी की देन नहीं है संविधान'

- एक नेता संविधान की प्रति जेब में रखते हैं, उन्होंने अपने पूर्वजों से यही सीखा: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राजनाथ सिंह ने कहा कि श्कुछ लोगों द्वारा हमारे संविधान को उपनिवेशवाद का उपहार या अच्छी बातों का संकलन मात्र मान लिया जाता है। पिछले कुछ वर्षों से देश में ऐसा माहौल बनाया गया कि संविधान एक पार्टी की विशेष देन है। संविधान निर्माण में बहुत से लोगों की भूमिका को नकार दिया गया। लोकसभा में संविधान पर चर्चा की शुरुआत केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। उन्होंने कहा कि श75 साल पहले संविधान सभा ने संविधान निर्माण का काम पूरा किया था। संविधान सभा ने जो संविधान तैयार किया था, वह केवल कानूनी दस्तावेज नहीं था बल्कि वह जनआकांक्षाओं का प्रतिबिंब था।श राजनाथ सिंह ने कहा कि श्संविधान से देश में सही मायने में लोकतंत्र लागू हुआ। हमारा संविधान सार्वभौम है, जहां यह राज्य की जिम्मेदारियों को सूचीबद्ध करता है तो वहीं नागरिकों के अधिकारों का भी उल्लेख करता है। हमारा संविधान सहकारी सघंवाद को सुनिश्चित करता है तो राष्ट्र की एकता को भी सुनिश्चित करता है। भारत का संविधान देश के गौरव को स्थापित करने का रोडमैप भी है।श श्एक पार्टी की देन नहीं है संविधानश राजनाथ सिंह ने कहा कि श्कुछ लोगों द्वारा हमारे संविधान को उपनिवेशवाद का उपहार या अच्छी बातों का संकलन मात्र मान लिया जाता है। पिछले कुछ वर्षों से देश में ऐसा माहौल बनाया गया कि संविधान एक पार्टी की विशेष देन है। संविधान निर्माण में बहुत से लोगों की भूमिका को नकार दिया गया। हमारे संविधान के लिखे जाने से छह साल पहले यानी 1934 में श्कॉन्सटिट्यूशन ऑफ हिंदुस्तान फ्री स्टेटश में कई बड़े नेताओं ने संविधान के बारे में अपने विचार दिए थे। इसमें धार्मिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने, प्रत्येक नागरिक को अपनी संस्कृति और भाषा की रक्षा करने, सरकार को धर्म के आधार पर धर्मनिरपेक्ष बताया गया था। सार्वजनिक अनुदान वाले स्कूलों को धार्मिक शिक्षा देने पर मनाही थी। और खास बात ये है कि ये बात उन लोगों ने कही थी, जिन्हें कांग्रेस के लोग सांप्रदायिक बताते हैं।श श्संविधान निर्माण के काम को हाईजैक करने की कोशिश की गई।

श राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर निशाना साधाते हुए कहा कि श्एक पार्टी विशेष द्वारा संविधान निर्माण के काम को हाईजैक करने की कोशिश हमेशा की गई। संविधान में संविधान निर्माण से जुड़ी बातें हमेशा छिपाई गई।

बीपीएससी 70वीं पीटी परीक्षा के बाद छात्रों का हंगामा, पेपरलीक का लगाया आरोप

पटना,(एजेंसी)। राजधानी समेत पूरे बिहार में बीपीएससी की परीक्षा हुई। इस दौरान बिहार के सबसे बड़े परीक्षा केंद्र बापू केंद्र (पटना) पर परीक्षार्थियों ने परीक्षा लीक का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया। हालांकि आयोग ने इस आरोप को सिरे से इनकार किया है। बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा आज है। पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, गया, पूर्णिया, खगड़िया, बेगूसराय, शेखुपरा, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण समेत सभी जिलों में कुल 912 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। बिहार के सबसे बड़ा एग्जाम सेंटर बापू परीक्षा केंद्र (पटना) में भी यह परीक्षा ली जा रही है। पटना जिले में 60 से अधिक केन्द्र बनाए गए हैं। कुल 4.85 लाख परीक्षार्थी इस परीक्षा में शामिल हो रहे। परीक्षा में किसी तरह की कोई गड़बड़ी न हो, इसके लिए सारी तैयारी पूरी कर ली गई है। अभ्यर्थियों को ढाई घंटा पहले यानी सुबह साढ़े नौ बजे बुलाया गया है। परीक्षा शुरू होने से एक घंटा पहले यानी 11 बजे तक ही एग्जाम सेंटर में प्रवेश दिया गया। परीक्षा एक ही पाली में दोपहर 12 से 2 बजे तक होगी। त्रिस्तरीय जांच की व्यवस्था बीपीएससी में कंट्रोल रूम बनाया गया है। यहां बैठे अधिकारी और कर्मी हर सेंटर की निगरानी करेंगे। साथ ही सोशल मीडिया पर भी निगरनी रखी जा रही है। बीपीएससी के अध्यक्ष परमार रवि मनु भाई ने किसी तरह के अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की है। अफवाह फैलाने वालों पर बिहार पुलिस की साइबर सेल कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा के चार सेट में प्रश्न पत्र प्रकाशित किए गए हैं। इनमें से किसी भी सेंट में परीक्षा ली जाएगी। कदाचार मुक्त परीक्षा को लेकर त्रिस्तरीय जांच की व्यवस्था की गई है। सभी परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाए गए हैं। पेपर लीक का आरोप लगाकर छात्रों ने किया हंगामा बीपीएससी पीटी परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने की कथित खबर के बाद पटना के बापू सभागार में छात्रों ने जमकर हंगामा किया।

'मैं किसान का बेटा, झुकुंगा नहीं'

- राज्यसभा में गरजे धनखड़, खरगे का पलटवार– मैं भी मजदूर का बेटा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राधा मोहन दास अग्रवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने सोशल मीडिया पर उपराष्ट्रपति के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। भाजपा सांसद ने उपराष्ट्रपति की तारीफ की। इस पर विपक्ष भड़क गया। राज्यसभा में सभापति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाए जाने का मुद्दा उठा, जिस पर हंगामा हो गया। भाजपा सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल ने आरोप लगाया कि विपक्ष द्वारा सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव में नियमों का पालन नहीं किया गया। महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए 14 दिन का समय दिया जाता है और फिर उस पर सदन में चर्चा होती है, लेकिन उससे पहले ही मीडिया में आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा उपराष्ट्रपति को कभी सम्मान नहीं दिया गया। राधा मोहन दास अग्रवाल ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं ने सोशल मीडिया पर उपराष्ट्रपति के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल किया। भाजपा सांसद ने उपराष्ट्रपति की तारीफ की। इस पर विपक्ष भड़क गया। सभापति धनखड़ और नेता विपक्ष खरगे के बीच हुई तीखी बहस विपक्ष ने जब हंगामा शुरू किया तो सभापति ने इस पर नाराजगी जाहिर की। टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने जब अपनी बात रखी तो सभापति नाराज हो गए और बोले कि श्मैं किसान का बेटा हूं और किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं पड़ूंगा।श इस पर राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि श्सदन परंपरा और नियमों से चलेगा और निष्पक्षता से चलेगा। श खरगे ने कहा कि श्आप अगर किसान हैं तो मैं मजदूर का बेटा हूं।श खरगे ने कहा कि श्आप विपक्ष का अपमान कर रहे हैं। हम आपकी तारीफ सुनने के लिए नहीं आए हैं। हम देश के मुद्दों पर चर्चा के लिए आए हैं।श इस पर सभापति ने कहा कि पूरा देश जानता है कि आपको किनकी तारीफ पसंद है। आप अपनी बात रखिए। खरगे ने कहा कि श्आप मेरा अपमान कर रहे हैं तो मैं आपका सम्मान कैसे कर सकता हूं। जब हंगामा शांत नहीं हो सका, तो सभापति धनखड़ ने सदन की कार्यवाही पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी।

विपक्ष ने राज्यसभा सभापति के खिलाफ दिया अविश्वास प्रस्ताव नोटिस गौरतलब है कि राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है।

तानाशाही से अमनपसंद आवाम परेशान

दिशानिर्देश

संभल में जो कुछ घट रहा है वह देश पहली बार नहीं देख रहा और इससे फिर जाहिर हो गया है कि ‘च्संबमे वर्ि वतीपच ।बज, 1991 जैसा कानून होने के बाद भी एक ही गलती दोहराई जा रही है। संभल में किसकी गोली से चार लोगों की जान गई, यह जांच का विषय हो सकता है, लेकिन यह स्पष्ट है कि न्यायपालिका की एक चूक ने संभल को इस स्थिति में पहुंचा दिया है। यह विवाद भी उसी तरह आकार ले रहा है, जैसे काशी और मथुरा में।

संभल की जामा मस्जिद का मामला संवेदनशील है, ऐसे में पहला सवाल तो यही उठता है कि जिला अदालत ने इतने आनन–फानन में फैसला क्यों दिया? एक याचिका आती है, जिसमें दावा किया जाता है कि इस जगह मंदिर हुआ करता था, जिसे सन 1526 में मुगल बादशाह बाबर ने ध्वस्त कर मस्जिद का निर्माण कराया। याचिका पर उसी दिन सुनवाई होती है और सर्वे का आदेश आ जाता है। आखिर, सर्वे का आदेश देने की इतनी जल्दी क्या थी?

‘च्संबमे वर्ि वतीपच ।बज, 1991 को राम जन्मभूमि विवाद की परछाई में लाया गया था। यह कहता है कि 15 अगस्त 1947 को जो पूजास्थल जिस धार्मिक स्वरूप में था, वह वैसा ही रहेगा और उसे बदला नहीं जा सकेगा। यहां तक कि एक ही धर्म के भीतर दूसरे संप्रदाय में भी उस स्थल का बदलाव नहीं होगा। जब यह एक्ट आया, तब अयोध्या मामला सुप्रीम कोर्ट में था, तो उसे अलग रखा गया। लेकिन, अब यह हो रहा है कि आए दिन किसी जगह को लेकर अदालतों में याचिका डाली जा रही है और आश्चर्य है कि सर्वे के लिए आदेश भी दिया जा रहा है।

ऐसा लग रहा है कि विवादों के बांध को खोल दिया गया है। इसकी एक वजह खुद सुप्रीम कोर्ट के पूर्व ब्श्र डीवाई चंद्रचूड़ द्वारा की गई च्संबमे वर्ि वतीपच ।बज की अतिरिक्त व्याख्या है। मई 2022 में चंद्रचूड़ ने कहा था कि किसी पूजास्थल का धार्मिक स्वरूप नहीं बदला जा सकता, लेकिन धार्मिक स्वरूप की जांच करने से कानून नहीं रोकता। इस व्याख्या ने विवादों के पैर जमाने की जगह दे दी। अब इसी की आड़ में तमाम जगह सर्वे की मांग उठ रही है।

सुप्रीम कोर्ट में 1991 के कानून को चुनौती देने वाली याचिकाएं लंबित हैं। 2022 में तत्कालीन ब्श्र यू.यू. ललित की अगुआई वाली बेंच ने केंद्र सरकार से इस मसले पर जवाब मांगा था, जो अभी तक नहीं मिला है। सरकार की चुप्पी और निचली अदालतों की अतिरिक्त तेजी से देश में सांप्रदायिक तनाव पैदा हो रहा है। बेहतर होगा कि सुप्रीम कोर्ट इसमें दखल देकर निचली अदालतों के लिए दिशा–निर्देश जारी करे कि इस तरह के मामलों को किस तरह से हैंडल करना है, वरना यह आग फैलती ही जाएगी।

विनीत नारायण

तालिबान द्वारा यह नया प्रतिबंध महिलाओं को सार्वजनिक रूप से गाने, कविता पढने या जोर से पढने से भी रोकता है क्योंकि उनकी आवाज को शरीर का श्अंतरंगश् हिस्सा माना जाता है। अगस्त के अंत में लागू किया जाने वाला यह तालिबानी आदेश स्वतंत्रता पर कई प्रहारों में से एक है। महिलाओं को अब श्प्रलोभनश् से बचने के लिए अपने पूरे शरीर को हर समय ऐसे कपड़ों से ढकना चाहिए जो पतले, छोटे या तंग न हों, जिसमें

उनके चेहरे को ढकना भी शामिल है।पिछले कुछ वर्षों से यूरोप की स्थानीय आबादी और बाहर से वहाँ आकर बसे मुसलमानों के बीच नस्लीय संघर्ष तेज हो गए हैं। ये संघर्ष अब खूनी और विध्वंसकारी भी होने लगे हैं। कई देश अब मुसलमानों पर सख्त पाबन्दियाँ लगा रहे हैं। उन्हें देश से निकालने की माँग उठ रही है। आतंकवादियों की शरणस्थली बनी उनकी मस्जिदें बुलडोजर से ढहायी जा रही हैं। उनके दाढ़ी रखने और बुर्का पहनने पर पाबन्दियाँ लगाई जा रही हैं।

ये इसलिए हो रहा है क्योंकि मुसलमान जहां जाकर बसते हैं वहाँ शरीयत का अपना कानून चलाना चाहते हैं। वो भी ज्यों का त्यों नहीं। वे वहाँ स्थानीय संस्कृति व धर्म का विरोध करते हैं। अपनी अलग पहचान बना कर रहते हैं। स्थानीय संस्कृति में घुलते मिलते नहीं है। हालाँकि सब मुसलमान एक जैसे नहीं होते। पर जो अतिवादी होते हैं उनका प्रभाव अधिकतर मुसलमानों पर पड़ता है। जिससे हर मुसलमान के प्रति नफरत पैदा होने लगती है।

ये बात दूसरी है कि इंग्लैंड, फरांस, हॉलैंड, पुर्तगाल जैसे जिन देशों में मुसलमानों के खिलाफ माहौल बना है। ये वो देश हैं जिन्होंने पिछली सदी तक अधिकतर दुनिया को गुलाम बनाकर रखा और उन पर अपनी संस्कृति और धर्म थोपा था। पर आज अपने किए वो घोर पाप उन्हें याद नहीं रहे।पर इसका मतलब ये नहीं कि अब मुसलमान भी वही करें जो उनके पूर्वजों के साथ अंग्रेजों, पुर्तगालियों, फ्रांसीसियों, डच ने किया था। क्योंकि आज के संदर्भ में मुसलमानों का आचरण अनेक देशों में वाकई चिंता का कारण बन चुका है। उनकी आक्रमकता और पुरातन धर्मांध सोच आधुनिक जीवन के बिलकुल विपरीत है। इसलिए समस्या और भी जटिल होती जा रही है।

ऐसा नहीं है कि उनके ऐसे कट्टरपंथी आचरण का विरोध उनके विरुद्ध खड़े देशों में ही हो रहा है। खुद्द मुस्लिम देशों में भी उनके कठमुल्लों की तानाशाही से अमनपसंद आवाम परेशान है। अफगानिस्तान की महिलाओं को लें। उन पर लगीं कठोर पाबंदियों ने इन महिलाओं को मानसिक रूप से कुंठित कर दिया है। वे लगातार मनोरोगों का शिकार हो रही हैं। जब तालिबान ने पिछले महीने सार्वजनिक रूप से महिलाओं की आवाज पर अनिवार्य रूप से प्रतिबंध लगाने वाला एक कानून पेश किया, तो दुनिया हैरान रह गई।लेकिन जो लोग अफगानिस्तान के शासन के अधीन रहते हैं, उन्हें इस घोषणा से कोई आश्चर्य नहीं हुआ। एक अंतरराष्ट्रीय न्यूज एजेंसी से बात करते हुए वहाँ रहने वाले एक महिला बताया कि, ष्हर दिन हम एक नए कानून की उम्मीद करते हैं। दुर्भाग्यवश, हर दिन हम महिलाओं के लिए एक नई, पाबंदी की उम्मीद करते हैं। हर दिन हम उम्मीद खो रहे हैं।ष्

इस महिला के लिए इस तरह की कार्रवाई अपरिहार्य थी। लेकिन उसके लिए व उसके जैसी अनेक महिलाओं के लिए ऐसे फैसलों के लिए मानसिक रूप से तैयार होने से उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाला हानिकारक प्रभाव कम नहीं हुआ। तालिबान द्वारा यह नया प्रतिबंध महिलाओं को सार्वजनिक रूप से गाने, कविता पढने या जोर से पढने से भी रोकता है क्योंकि उनकी आवाज को शरीर का श्अंतरंगश् हिस्सा माना जाता है। अगस्त के अंत में लागू किया जाने वाला यह तालिबानी आदेश स्वतंत्रता पर कई प्रहारों में से एक है।महिलाओं को अब श्प्रलोभनश् से बचने के लिए अपने पूरे शरीर को हर समय ऐसे कपड़ों से ढकना चाहिए जो पतले, छोटे या तंग न हों, जिसमें उनके चेहरे को ढकना भी शामिल है। जीवित प्राणियों की तस्वीरें प्रकाशित करना और कंप्यूटर या फोन पर उनकी तस्वीरें या वीडियो देखना भी प्रतिबंधित कर दिया गया है, जिससे अफगानिस्तान के मीडिया आउटलेट्स का भाग्य गंभीर खतरे में पड़ गया है।

महिलाओं की आवाज रिकॉर्ड करना और फिर उन्हें निजी घरों के बाहर प्रसारित करना भी प्रतिबंधित है। इसका मतलब है कि जिन महिलाओं ने अपने इंटरव्यू रिकॉर्ड किए या वॉयस नोट्स के माध्यम से किसी न्यूज एजेंसी के साथ बात करना चुना, तो ऐसा उन्होंने काफी बड़ा जोखिम उठा कर किया। लेकिन कड़ी सजा की संभावना के बावजूद उन्होंने कहा कि वे चुप रहने को तैयार नहीं हैं। इस एजेंसी को दिए गए इंटरव्यू के माध्यम से वे चाहते हैं कि दुनिया अफगानिस्तान में महिला के रूप में जीवन की क्रूर, अंधकारमय सच्चाई को जाने।इस इंटरव्यू में अधिकतर महिलाओं ने अमानवीय सजा के डर से अपना नाम न देने की इच्छा जाहिर की। परंतु काबुल की सोदाबा नूरई एक अनोखी महिला थीं दृ उन्होंने सजा से बिना डरे अपना नाम लेने की इच्छा की। न्यूज एजेंसी को भेजे एक वॉइस मेसेज में उन्होंने कहा, ष्महिलाओं के लिए सार्वजनिक रूप से बोलने पर प्रतिबंध के बावजूद मैंने आपसे बात करने का फैसला किया क्योंकि मेरा मानना है कि हमारी कहानियों को साझा करना और हमारे संघर्षों के बारे में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है।

खुद पहचान जाहिर करना एक बहुत बड़ा जोखिम है, लेकिन मैं इसे लेने को तैयार हूं क्योंकि चुप्पी केवल हमारी पीड़ा को जारी रखने की अनुमति ही देगी। यह नया कानून बेहद चिंताजनक है और इसने महिलाओं के लिए भय और उत्पीड़न का माहौल पैदा कर दिया है। यह हमारी स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करता है और यह शिक्षा, कार्य और बुनियादी स्वायत्तता के हमारे अधिकारों को कमजोर करता है।ष्उल्लेखनीय है कि सोदाबा नूरई को अपनी नौकरी से अगस्त 2021 में हाथ धोना पड़ा। क्योंकि तब वहाँ तालिबान का राज पुनरू स्थापित हुआ और शरीयत कानून के मुताबिक़ महिलाओं पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिये गये। अब उस सरकार से प्रति माह 107 डॉलर के बराबर राशि मिलती है, जिसे वह महिलाओं की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त मानती हैं।ये महिलाएँ चाहती हैं कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को तत्काल एक मजबूत, समन्वित और प्रभावी रणनीति विकसित और लागू करनी चाहिए जो तालिबान पर इन बदलावों को लाने के लिए दबाव डाले। इस तालिबानी आदेश से यह दिखाई देता है कि तालिबान द्वारा किसी एक अधिकार का उल्लंघन अन्य अधिकारों के प्रयोग पर किस तरह से घातक प्रभाव डाल सकता है।कुल मिलाकर, तालिबान की नीतियाँ दमन की एक ऐसी प्रणाली बनाती हैं जो अफगानिस्तान में महिलाओं और लड़कियों के साथ उनके जीवन के लगभग हर पहलू में भेदभाव करती है। इसलिए ऐसे दमनकारी आदेशों के खिलाफ पूरे विश्व को एक होने की आवश्यकता है।

अमेरिका से करीबी

बांग्लादेश में जिन हालात में शेख हसीना को इस्तीफा देकर वहां से निकलना पड़ा और मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का मुख्य सलाहकार बनाया गया, उसने कई तरह के सवाल खड़े किए। इस नई सरकार पर इस्लामिक कट्टरपंथी तत्वों के प्रभाव को लेकर आशंकाएं भी पहले दिन से थीं। लेकिन मोहम्मद यूनुस की अमेरिका से करीबी भी काफी चर्चा में रही। कुछ हलकों में कहा जा रहा था कि उन्हें अमेरिका का परोक्ष समर्थन हासिल है। बहरहाल, अल्पसंख्यकों पर हमलों को लेकर अमेरिका की ताजा प्रक्रिया आने के बाद इस बात पर नजर बनी हुई है कि उनकी सुरक्षा को लेकर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के रुख में किस तरह का और कितना बदलाव आता है।अब तक अंतरिम सरकार के रुख ने इन आशंकाओं को मजबूती ही दी है कि उसकी नीतियां न सिर्फ बांग्लादेश के बल्कि पाकिस्तान के भी इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों को बढ़ावा दे सकती हैं। इसका ताजा उदाहरण है पाकिस्तानियों और पाकिस्तानी मूल के लोगों को वीजा देने के नियमों में ढील देने का फैसला। अंतरिम सरकार के इस फैसले के मुताबिक अब इन लोगों को बांग्लादेश की यात्रा करने के लिए सिक्योरिटी क्लीयरेंस लेना जरूरी नहीं होगा।एक्सपर्ट्स मानते हैं कि इस फैसले से भारत की सुरक्षा चिंताएं बढ़ेंगी। वजह यह है कि इससे पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी तत्वों का बांग्लादेश आना आसान हो जाएगा। ध्यान रहे, बांग्लादेश के साथ भारत की 4000 किलोमीटर लंबी सीमा लगती है। 2001 से 2006 के बीच बीएनपी–जमात–ए–इस्लामी शासन के दौरान बांग्लादेश में सक्रिय आतंकी तत्वों के कई कारनामे भारत भुगत चुका है।जाहिर है, पड़ोसी देश का घटनाक्रम भारत के लिए बड़ी कूटनीतिक चुनौती पैदा करता दिख रहा है। मसला सिर्फ अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों या वहां की कानून–व्यवस्था की स्थिति तक सीमित नहीं है। अंतरिम सरकार को यह समझना होगा कि हिंदुओं की सुरक्षा के प्रति उदासीनता दिखाना ठीक नहीं है और भारत उसका मित्र देश है।

अच्छी नहीं अनिश्चितता

यह भी महाराष्ट्र की समकालीन राजनीति की एक दिलचस्प खूबी ही कही जाएगी कि मतदाताओं के प्रचंड जनादेश के बावजूद सरकार गठन की प्रक्रिया मुश्किलों से घिरी दिख रही है। अपनी तरफ से शपथ ग्रहण की तारीख घोषित करके ठश्रच् ने यह कोशिश जरूर की है कि सभी मतभेद तब तक सुलझा लिए जाएं, लेकिन इस कदम का भी कितना और कैसा असर होगा, इसे लेकर तत्काल कोई नतीजा निकालना मुश्किल साबित हो रहा है।

राजनीति में हालांकि इस तरह के असमंजस की स्थिति बनती रही है, लेकिन जिस तरह की अप्रत्याशित जीत महायुति के हिस्से में आई है, उसके बाद इसकी उम्मीद नहीं की जा रही थी। इस देरी से जहां जनता के बीच महायुति के घटक दलों में आपसी विश्वास और सामंजस्य की कमी का संदेश जा रहा है और सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर ठश्रच् की स्थिति असहज हो रही है, वहीं विपक्षी खेमे को भी टीका–टिप्पणी का मौका मिल रहा है।

फिलहाल कार्यवाहक मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रहे एकनाथ शिंदे के अचानक सातारा जाकर बैठ जाने के पीछे भले ही औपचारिक तौर पर उनकी सेहत खराब होने का हवाला दिया जा रहा हो, उनकी पार्टी के ही कई नेता इसे परोक्ष धमकी के रूप में इस्तेमाल करते हुए कह रहे हैं कि शिंदे इस तरह से अपने गांव तभी जाते हैं जब कोई श्बड़ा फैसलाश् करना होता है। इसलिए शिंदे क्या करेंगे, इस बात को लेकर भी अटकलें लग रही हैं।सवाल अगर ज्यादा दूर तक नहीं जा रहा तो उसके पीछे चुनाव नतीजों से निकले ठोस राजनीतिक समीकरण ही हैं, जिनमें किसी वैकल्पिक व्यवस्था की गुंजाइश नहीं दिख रही। ठश्रच् और अजित पवार की अगुआई वाली छब्च् के विधायकों का जोड़ ही सुविधाजनक बहुमत जुटा देता है। अजित पवार जिस मजबूती से ठश्रच् के साथ खड़े नजर आ रहे हैं, उसमें एकनाथ शिंदे कोई भी फैसला करें, ठश्रच् नेतृत्व का सिरदर्द नहीं बन सकते।फिर भी ठश्रच् के लिए सबको साथ लेना और सबका विश्वास हासिल करते हुए आगे बढ़ना महत्वपूर्ण है। आगामी मुंबई महानगरपालिका के चुनाव तय करेंगे कि मुंबई में किसका दबदबा रहेगा। मुंबई और ठाणे में शिंदे के प्रभाव को देखते हुए ठश्रच् उन्हें दूर करके उद्धव ठाकरे की शिवसेना को जड़ें मजबूत करने का मौका नहीं देना चाहेगी। लिहाजा, उन्हें मनाना ठश्रच् नेतृत्व के लिए जरूरी है।कुल मिलाकर देखा जाए तो महाराष्ट्र जैसा अहम मोर्चा फतह करने के बाद भी इस तरह का अनिश्चय छब् और महायुति की तरफ से कोई अच्छा संदेश नहीं दे रहा। यह जितनी जल्दी दूर हो, उतना ही अच्छा है।

इसलिए जरूरी है एक चुनाव का विचार

आर.के. सिन्हा

“एक देश, एक चुनाव”का सपना अब तो साकार होता नजर आ रहा है। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने देश में सभी चुनाव एक साथ करवाने के लिए बनी पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद कमिटी की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया। मतलब यह कि अब देश में श्एक देश, एक चुनावश् की राह का सारा व्यवधान सारा सस्पेंस दूर हो गया है। पिछले दिनों गृह मंत्री अमित शाह ने भी अपने एक वक्तव्य में साफ किया था कि मोदी सरकार के इसी कार्यकाल में देश का यह सबसे बड़ा चुनाव सुधार लागू हो जाएगा। जैसे कि आपको ज्ञात ही होगा कि केंद्र सरकार ने अपने पिछले कार्यकाल में श्एक देश, एक चुनावश् पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के अध्यक्षता में एक समिति बनाई थी। रामनाथ कोविंद कमिटी को जिम्मेदारी दी गई थी कि वह देश मे एक साथ चुनाव करवाने की संभावनाओं पर रिपोर्ट दे। अब कमिटी की सिफारिशों पर देश की सभी राजनीतिक मंचों पर इस पर चर्चा की जाएगी। सभी नौजवानों, कारोबारियों, पत्रकारों समेत सभी संगठनों से इस पर बात होगी। इसके बाद इसे लागू करने के लिए ग्रुप बनाया जाएगा। फिर कानूनी प्रक्रिया पूरी कर इसे लागू किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल 15 अगस्त को स्वाधीनता दिवस समारोह के दौरान लाल किले से अपने भाषण में भी एक देश एक चुनाव की वकालत की थी। उनका कहना था कि देश में बार–बार चुनाव से विकास कार्य में बाधा आती है। किसी भी चुनाव की घोषणा होते ही अंतिम रिजल्ट नहीं आने तक कोई नया विकास कार्य शुरू ही नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा था कि श्एक देश, एक चुनावश् के लिए देश को आगे आना होगा। उन्होंने देश के सभी राजनीतिक दलों से भी आग्रह किया था कि देश की प्रगति के लिए इस दिशा में आगे बढ़ें। यहां तक कि इसी साल हुए लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने इसे अपने चुनावी घोषणा पत्र में प्रमुखता से शामिल किया था।

बेशक, एक साथ चुनाव कराने से चुनाव प्रक्रिया की चुनाव पर होने वाले खर्च में कमी आएगी, क्योंकि कई चुनावों के लिए बार–बार तैयारी और कार्यान्वयन करने की आवश्यकता नहीं होगी। क्या आपको पता है कि कुछ माह पहले देश में हुए लोकसभा चुनाव में कितना खर्चा हुआ? 2024 के लोकसभा चुनाव पर 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले करीब दोगुना से भी ज्यादा खर्चा आया। चुनावी खर्च पर रिपोर्ट जारी करने वाली गैर लाभकारी संस्था सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज ने अनुमान लगाया है कि इस बार लोकसभा चुनाव में करीब 1.35 लाख करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में कुल खर्च 55 से 60 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए थे। इस तरह देखा जाए तो इस बार दोगुने से भी ज्यादा पैसा चुनाव में खर्च किया गया है। अमेरिका ने भी साल 2020 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में करीब 1.20 लाख करोड़ रुपये ही खर्च किए थे। क्या आपको पता है कि 1951–52 में भारत के पहले चुनाव के दौरान महज 10.5 करोड़ रुपये था? चुनाव खर्च का एक बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया प्रचार पर खर्च किया जाता है। भारतीय राजनेता मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए असाधारण और नए–नए तरीके अपना रहे हैं। यह सबको पता है कि देश में बार–बार चुनाव होने से जनता और सरकारी अधिकारियों का समय और संसाधन बर्बाद होता है। एक साथ चुनाव कराने से यह सब नहीं होगा। एक

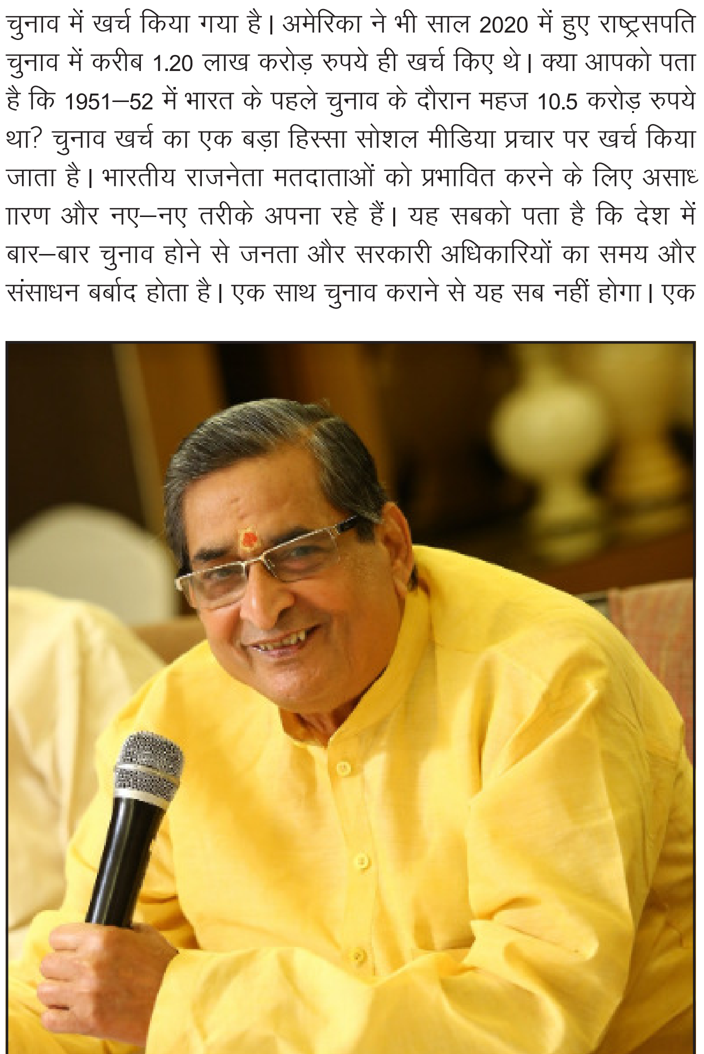

साथ चुनाव होने से राजनीतिक स्थिरता में सुधार आएगा।क्योंकि, सरकार को बार–बार चुनावों की चिंता नहीं करनी पड़ेगी। इसके साथ ही एक साथ चुनाव होने से प्रशासन पर भी काम का दबाव कम होगा और वे अपने काम पर अधिक ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। तो आप कह सकते हैं कि श्एक देश, एक चुनावश् से कई मसलों का हल हो जाएगा। चुनावों की अवधि कम हो जाने से, शासन और विकास कार्यक्रमों पर ध्यान बेहतर ढंग से केंद्रित किया जा सकेगा। यह जानना जरूरी है कि भारत में साल 1967 तक लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के लिए चुनाव एक साथ ही होते थे। साल 1947 में आजादी के बाद भारत में नए संविधान के तहत देश में पहला आम चुनाव साल 1952 में हुआ था। उस समय राज्य विधानसभाओं के लिए भी चुनाव साथ ही कराए गए थे, क्योंकि आजादी के बाद विधानसभा के लिए भी पहली बार ही चुनाव हो रहे थे। उसके बाद साल 1957, 1962 और 1967 में भी लोकसभा और विधानसभा के चुनाव साथ ही हुए थे। यह सिलसिला पहली बार उस वक्त टूटा था जब केरल में साल 1957 के चुनाव में ईएमएस नंबूदरीबाद की वामपंथी सरकार बनी। साल 1967 के बाद कुछ राज्यों की विधानसभा जल्दी भंग हो गई और वहां प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने मनमाने ढ़ंग से राष्ट्रपति शासन लगा दिया।इसके अलावा साल 1972 में होनेवाले लोकसभा चुनाव भी समय से पहले कराए गए थे। साल 1967 के चुनावों में कांग्रेस को कई राज्यों में विधानसभा चुनावों में हार का सामना करना पड़ा था। बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, पश्चिम बंगाल और ओडिशा जैसे कई राज्यों में विरोधी दलों या गठबंधन की सरकार बनी थी। इनमें से कई सरकारें अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाईं और विधानसभा समय से पहले भंग कर दी गई। वैसे यह बात भी है कि अगर लोकसभा, विधानसभा और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराए जाएं तो इसके लिए मौजूदा संख्या से तीन गुना ज्यादा ईवीएम की जरूरत पड़ेगी। लेकिन, वह तो एक बार ही होने वाला खर्च होगा।

क्या बाकी देशों में भी श्एक देश, एक चुनावश् वाली व्यवस्था लागू है? अमेरिका, फ्रांस, स्वीडन, कनाडा आदि में श्एक देश, एक चुनावश् वाली स्थिति है। अमेरिका में हर चार साल में एक निश्चित तारीख को ही राष्ट्रपति, कांग्रेस और सीनेट के चुनाव कराए जाते हैं। भारत की ही तरह फ्रांस में संसद का निचला सदन यानी नेशनल असेंबली है। वहां नेशनल असेंबली के साथ ही संघीय सरकार के प्रमुख राष्ट्रपति के साथ ही राज्यों के प्रमुख और प्रतिनिधियों का चुनाव हर पांच साल में एक साथ कराया जाता है। स्वीडन की संसद और स्थानीय सरकार के चुनाव हर चार साल में एक साथ होते हैं। यहां तक कि नगरपालिका के चुनाव भी इन्हीं चुनावों के साथ होते हैं। वैसे तो कनाडा में हाउस ऑफ कॉमंस के चुनाव हर चार साल में कराए जाते हैं, जिसके साथ कुछ ही प्रांत स्थानीय चुनाव को संघीय चुनाव के साथ कराते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत जैसे देश के लिए श्एक देश, एक चुनावश् का विचार बहुत ही उपयुक्त और आदर्श है। पर दिक्कत यह है कि हमारे विपक्षी दल इतने शानदार विचार की बिना सोचे समझे राजनीतिक स्वार्थ साधने के चक्कर में निंदा करने लगे हैं। उम्मीद कीजिए कि वे भी अंत में सरकार का ही साथ देंगे।

निष्पक्ष एवं सावधानी पूर्ण मतगणना संपन्न कराए

शिकायत मिलने पर होगी कठोर कार्यवाही–सीडीओ

प्रतापगढ़। नगरीय निकाय उप निर्वाचन 2024 के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद बेल्हा के अध्यक्ष पद की मतगणना दिनांक 19 दिसंबर 2024 को जनपद में पवित्रता, शांतिपूर्ण, सुचिता पूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव रंजन के कुशल निर्देशन में विकास भवन सभागार में मतगणना अधिकारियों का प्रथम प्रशिक्षण संपन्न हुआ जिसमें सुपर मास्टर ट्रेनर प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कालेज रामपुर कांपा डॉ विंध्याचल

➤ नगरीय निकाय के उप निर्वाचन के लिये मतगणना अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण

सिंह, उप प्रधानाचार्य राजकीय बालिका इंटर कालेज डॉ मो0 अनीस एवं एआरपी धर्मेंद्र कुमार ओझा और नसीमुद्दीन द्वारा मतगणना की महत्वपूर्ण प्रक्रिया के बारे मे बारी की से विस्तार पूर्वक पावरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से तथा मत पेटिका को खोलने और तथा सील खोलने के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी कार्मिक डा0 दिव्या मिश्रा ने मतगणना अधिकारियों एवं कार्मिकों को निर्देशित करते हुए कहा कि मतगणना कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता, संदिग्धता, संलिप्तता की स्थिति में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत कार्रवाई की जाएगी इसके लिए अधिकारी एवं कार्मिक स्वयं उत्तरदायी होंगे। मतगणना प्रशिक्षण को पूरे मनोयोग से प्राप्त करें। मतगणना

संबंधित सम्पूर्ण प्रक्रिया जान ले एवं अपनी शंकाओं का समाधान मास्टर ट्रेनर से जरूर प्राप्त कर ले और उनसे उनका मोबाइल नंबर प्राप्त कर ले, इस उप निर्वाचन की मतगणना को पारदर्शिता ,पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना है। निर्वाचन आयोग के बताए गए दिशा निर्देशों का पालन पूरी तरह से करना है। मोबाइल फोन मतगणना स्थल पर पूर्णतया प्रतिबंधित है। एजेंट मोबाइल फोन मतगणना स्थल पर नहीं ले जाएंगे। अपर जिलाधिकारी/उप निर्वाचन अधिकारी त्रिभुवन विश्वकर्मा ने कहा कि एक टेबल की एक टीम में एक मतगणना पर्यवेक्षक, दो मतगणना सहायक और एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी होगा। मतगणना प्रातः 8:00 बजे से कराई जाएगी, सभी मतगणना कार्मिक प्रातः 6:00 बजे मतगणना स्थल पर पहुंच जाएंगे। मतगणना स्थल पर समय से पहुंचकर डिकोड कराकर मतगणना टेबल पर पहुंचेंगे। अनुपस्थित मतगणना कार्मिकों के विरुद्ध आयोग के नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। सुपर मास्टर ट्रेनर डॉ मोहम्मद अनीस एवं धर्मेंद्र कुमार ओझा ने मतपत्र लेखा भाग 1, भाग 2, वैध और अवैध मत पत्र, मतगणना संबंधित महत्वपूर्ण सावधानियां के बारे में विस्तार पूर्वक बताया। इस अवसर पर रणवीर सिंह, राहुल शर्मा आदि उपस्थित रहे।

नारी सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन को सुदृढ़ एवं सशक्त करने का दिया निर्देश

कुशीनगर।जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। बैठक में सर्वप्रथम जिलाधिकारी ने विद्यालयों, महा विद्यालयों से बालिकाओं एवं कार्यालयों में महिला सुरक्षा से संबंधित आने वाली समस्याओं के बारे में पूछताछ की। तत्पश्चात जनपद की महिलाओं व बच्चों मुख्य रूप से बालिकाओं की शिक्षा, नारी सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन को सुदृढ़ एवं सशक्त करने के निर्देश विद्यालयों महाविद्यालयों के प्राचार्यों एवं कार्यालयाध्यक्षों को दिए गए। बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों, कर्मचारियों को कार्य स्थल पर महिलाओं के साथ लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम, स्कूल सेफ्टी कार्यक्रम, पोक्सो एक्ट इत्यादि के बारे में जिला प्रोबेशन अधिकारी के द्वारा विस्तृत रूप से बताया गया।जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित शिक्षक गणों से बच्चियों की सुरक्षा के संबंध में अपेक्षित आवश्यकताओं की जानकारी लेकर विद्यालयों, बाजारों, बस स्टैंड, टैक्सी स्टैंड, नगर निकाय के व्यावसायिक संस्थानों इत्यादि पर हॉटस्पॉट चिन्हित कर समुचित प्रकाश की व्यवस्था करते हुए विद्यालय के गेट पर सीसीटीवी कैमरे लगवाकर अवांछनीय तत्वों की पहचान कर उनकी रिकॉर्डिंग को साक्ष्य के रूप में सुरक्षित रखते हुए प्रत्येक विद्यालयों में सीसी टीवी कैमरा की निगरानी हेतु एक नोडल कर्मचारी नामित करने हेतु निर्देशित किया गया। समस्त अधिशासी अधिकारी को नगर निकायों में पिंक, सामुदायिक शौचालय, जिला पंचायत राज अधिकारी को ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक शौचालयों को साफ सुथरा रखने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक के दौरान उपस्थित प्रधानाचार्य एवं आचार्यो को विद्यालयों में निम्रयोज्य भवनो एवं सुनसान स्थान पर बच्चों के पहुंच को निषेध करने या बंद करने एवं विद्यालय परिसर में गैर शिक्षण कार्य हेतु आने वाले कर्मियों का पुलिस वेरिफिकेशन करने एवं बच्चियों के पहुंच से दूर रखने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही निर्देशित किया गया कि अध्यापक, बच्चों एवं माता–पिता के बीच परस्पर संवाद स्थापित रखते हुए बच्चों को गुड टच, बैड टच के बारे में जानकारी दी जाए। यदि किसी प्रकार के दुर्व्यवहार की सूचना प्राप्त होती है तो तत्काल पुलिस को सूचित करते हुए संस्थान के आंतरिक कमेटी या स्थानीय कमेटी को भी इसकी सूचना देखकर नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त संस्थानों में आंतरिक कमेटी अनिवार्य रूप से गठित करने हेतु निर्देशित करते हुए समाज में महिलाओं एवं बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए आने वाले समय में बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु निर्देशित करते हुए गुड टच एवं बैड टच के बारे में बच्चियों, महिलाओं के साथ बालकों एवं पुरुषों को भी समान रूप से जागरूक करने हेतु निर्देशित किया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के बारे में अवगत कराते हुए शासन द्वारा संचालित हेल्पलाइन नंबर यथा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, वीमेन हेल्पलाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, पुलिस 112, दुर्घटना एवं बीमारी में एम्बुलेंस की मांग हेतु 108 तथा गर्भवती महिलाओं हेतु 102 का प्रचार प्रसार करने एवं शैक्षणिक संस्थानों में प्रत्येक सोमवार को प्रार्थना सभा में बालकों को बच्चियों एवं महिलाओं की सुरक्षा करने का शपथ दिलाने का अनुरोध किया गया।

संक्षेप

बैठक की गयी स्थगित

प्रतापगढ़। अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड ने बताया है कि जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक जो दिनांक 10 दिसम्बर 2024 को कार्यालय सिंचाई खण्ड में आयोजित की गयी है, जनपद में नगर पालिका परिषद बेल्हा के रिक्त अध्यक्ष पद का चुनाव कराने हेतु आचार संहिता लागू होने के कारण माह दिसम्बर 2024 की बैठक अग्रिम आदेशों तक स्थगित की जाती है।

सेक्टर मजिस्ट्रेटो का प्रशिक्षण

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी/प्रभारी अधिकारी कार्मिक डा0 दिव्या मिश्रा ने बताया है कि जनपद की नगर पालिका परिषद बेल्हा के रिक्त अध्यक्ष पद के उप निर्वाचन को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। नगरीय निकाय उप निर्वाचन–2024 में नियुक्त किये गये समस्त जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं रिजर्व जोनल/सेक्टर मजिस्ट्रेट का प्रशिक्षण पूर्वान्ह 11 बजे से अपरान्ह 1 बजे तक विकास भवन सभागार में किया जायेगा। उन्होने बताया है कि निर्वाचन सम्बन्धी कार्य में किसी प्रकार की अनुपस्थिति पर सम्बन्धित का दायित्व निर्धारित करते हुये विभागीय कार्यवाही प्रस्तावित की जायेगी।

खेत मालिक को पीट किया घायल

चित्रकूट(आरएनएस)। खेत से ट्रैक्टर निकालने के लिए मना करने पर परिवार के चार लोगों ने खेत मालिक को मारपीट कर घायल कर दिया। परिजनों ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। बताया गया कि कोतवाली कर्वी क्षेत्र के छेछरिहा बुजुर्ग गांव के प्रमोद (45) पुत्र शिव प्रसाद खेत में सरसो बोए था। इसी खेत से परिवार के लोग ट्रैक्टर निकाल रहे थे। मना किया तो सभी ने मिलकर मारापीटा। जिससे वह घायल हो गया। जिला अस्पताल में उपचार दिया गया है।

हादसे में जीजा–साले की मौत

चित्रकूट(आरएनएस)। ममेरे भाई के तिलक समारोह से निमंत्रण कर वापस जाते समय चार पहिया वाहन पेड़ से टकरा गया। जिससे जीजा–साले की मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है।ये दर्दनाक हादसा बीती रात लगभग ढ़ाई बजे भरतकूप थाना क्षेत्र के रसिन मोड़ पर हुआ। बताया गया कि बांदा जिले के अतर्रा निवासी शिक्षक ओम प्रकाश वर्मा (38) पुत्र स्व छेदीलाल अपने मामा राजापुर थाना क्षेत्र के पियरिया गांव निवासी छोटेलाल के बेटे के तिलक समारोह में चन्द्रगहना निवासी जीजा राजाराम भारती (40) पुत्र स्व देवी प्रसाद के साथ निमंत्रण करने गए थे। वापस घर जाते समय सुदिनपुर स्थित रसिन मोड़ के पास चार पहिया वाहन नीम के पेड़ से टकरा गया। जिससे घटना स्थल पर दोनो की मौत हो गई। सूचना पर पहुची पुलिस ने परिजनों को जानकारी दी। घटना सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक ओम प्रकाश भरतकूप थाना क्षेत्र के दुर्जन पुरवा प्रावि में शिक्षक थे। एक पुत्र यथार्थ व पत्नी निशा वर्मा है। मृतक राजाराम भारती की पत्नी की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी। मृतक जनसेवा इंटर कालेज का कर्मचारी था। एक पुत्र ईशू है। पुलिस ने दोनो शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है।

सड़क हादसे में चार घायल

चित्रकूट। सड़क हादसे में मऊ निवासी अनिल कुमार (38) पुत्र राम कुमार, बांदा के कमासिन के संतोष पुत्र कल्लू, भरतकूप के बगैहा गांव के नरेन्द्र पुत्र शिव कुमार, पाली गांव के कल्लू पुत्र धोखई घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में उपचार दिया जा रहा है।

घर में घुसकर ग्रामीण को पीटा

चित्रकूट (आरएनएस)। थाना रैपुरा के ग्राम व्यासबन्ना के हरीवां पुत्र जोशी ने पुलिस को सौपी गई तहरीर में अवगत कराया कि घर के दरवाजे पर बैठा थ। तभी गांव के पांच लोग आकर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए लाठियों से मारने दाड़े। घर में घुसने पर वह भी घुस आए और जमकर मारापीटा। सौपे गए पत्र में मांग की है क घटना कीी रिरपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाए।

20 लीटर कच्ची शराब बरामद

चित्रकूट (आरएनएस)। थाना राजापुर के एसआई सिद्धनाथ राय ने टीम के साथ शिवमोहन पुत्र कल्लू निवासी देवकली, पिन्टू उर्फ लवलेश पुत्र शारदा प्रसाद निवासी नादिन कुर्मियान को 5–5 लीटर कच्ची शराब, एसआई इमरान खाँ ने टीम के साथ दीपू सिंह पुत्र बिहारीलाल निवासी कंधवनिया को 10 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

एंटी रोमियो टीमो ने किया जागरुक

चित्रकूट(आरएनएस)। मिशन शक्ति अभियान–5 के तहत जनपद के समस्त थानों की एण्टी रोमियों टीमों ने विभिन्न सार्वजनिक स्थल एवं ग्रामों में भ्रमण कर महिला एवं बालिकाओं को महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के प्रति जागरुक किया।

लव जिहाद के एक और मामले से संगठनों में रोष

सुल्तानपुर। जिले में एक और लव–जिहाद का मामला सामने आया है। जिसमें बड़ी चालाकी से शाजिस के तहत समीर खान ने हिंदू लड़की को अपने जाल में फंसाने के खातिर धर्मेंद्र तिवारी बन गया। राष्ट्रीय गौरक्षा वाहिनी सेवा संघ समेत कई हिंदू संगठनों को लव–जिहाद की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा से आरोपी युवक समीर खान के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

मामला जिले के जयसिंहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव का है। जहां की (खुशबु काल्पनिक नाम) उम्र करीब 22वर्ष दिल्ली में अपनी मां के साथ रहती थी। वहीं का रहने वाला समीर खान पहचान छिपाकर हिंदू धर्मेंद्र तिवारी बनकर लड़की को डरा–धमका कर उसके साथ रेप किया फिर धोखे से शादी करके धर्म परिवर्तन करा रहा है। पिता ने बीते 12 नवंबर को जयसिंहपुर थाने में बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई थी।बेबस पिता (आत्माराम काल्पनिक) ने बताया कि समीर खान अब बेटी को छोड़ने के ऐवज में बीस लाख की फिरौती मांग रहा है। यदि नहीं दिया तो हमारी बेटी को बेच देगा।या जान से मार देगा। मेरे परिवार को भी जान से मारने की धमकी दे रहा है। समीर हरदोई जिले का रहने वाला है।

बुखार से वृद्ध व वृद्धा की मौत

चित्रकूट। सीतापुर कस्बे की उमा देवी (75) पत्नी बजरंग प्रसाद की अचानक तबीयत खराब होने पर इलाज के दौरान मंगलवार को जिला अस्पताल में मृत्यु हो गई। घटना से परिजनों में शोक छा गया। इसी क्रम में रैपुरा थाना क्षेत्र के भुजौली माफी गांव निवासी राज बहादुर सिंह (75) पुत्र गजराज को बीती रात बीमार होने पर परिजन जिला अस्पताल लाए। जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना से परिवार में शोक छा गया।

दूर–दराज से आये हुये लोगों की सुनी समस्याएं

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से

➤ शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करायें–जिलाधिकारी

निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

शिकायतकर्ता कुसुम देवी निवासी कैलीडीह थाना फतनपुर ने शिकायत किया कि प्रार्थिनी के पड़ोस के रामशिरोमणि, अमृत लाल जबरन प्रार्थिनी की आबादी भूमि में नींव खोद रहे थे तो प्रार्थिनी द्वारा दिनांक 16.11.2024 को तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र दिया था जिसमें राजस्व टीम पुलिस बल के साथ स्थल पर गयी थी।

राजस्व टीम व पुलिस बल आपसी सुलह समझौता से भूमि अलग करके विवाद का निस्तारण कर दिया गया था तथा स्थल पर खूंटा गाड़कर चिन्हित कर दिया था परन्तु विपक्षीगण राजस्व टीम व पुलिस बल के जाने के पश्चात् खूंटा उखाड़कर फेंक दिये तथा जबरन कब्जा करने के लिये प्रयासरत है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने एसओ फतनपुर को निर्देशित किया है कि भूमि पर कब्जा न होने पाये और दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की शिकायतों को शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय करायें, शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही कदापि न बरती जाये।

बेहतर प्रदर्षन पर किया स्वागत

प्रतापगढ़। समाज कल्याण विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय खेल–कूद प्रतियोगिता का आयोजन के0डी0 सिंह बाबू स्टेडियम लखनऊ में दिनांक 01 दिसम्बर से 03 दिसम्बर 2024 तक किया गया जिसमें प्रयागराज मण्डल जोन–3 द्वारा राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय नरायनपुर के 04 छात्रों वीरू पाण्डेय, अमन यादव, विशाल सरोज व शनि सरोज का चयन वालीबाल प्रतियोगिता में एवं 01 छात्र अरसद अली का चयन कबड्डी प्रतियोगिता के लिये किया गया था, छात्रों ने कठिन परिश्रम कर प्रदेश में (वालीबाल एवं कबड्डी खेल) उपविजेता का स्थान प्राप्त किया। छात्रों के विद्यालय वापस लौटने पर जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य ने छात्रों का उत्साहवर्धन किया तथा छात्रों का माल्यार्पण व मिष्ठान खिलाकर स्वागत किया। उन्होने छात्रों को प्रदेश में विद्यालय को अग्रेत्तर अग्रिम पंक्ति में लाने के लिये प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर विद्यालय के व्यायाम शिक्षक पुष्पेन्द्र कुमार सिंह सहित राम बहादुर, प्रशान्त मिश्रा, शशांक शेखर सिंह, जय मंगल सिंह, दिप्ती सिंह एवं प्रियंका सिंह आदि उपस्थित रहे।

जिले में लगा पहला स्मार्ट मीटर

चित्रकूट (आरएनएस)। बुंदेलखंड के आकांक्षी जनपद में बिजली चोरी को रोकने और उपभोक्ताओं को बिजली बिल संबंधी समस्या से निजात दिलाने के लिए उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन ने स्मार्ट मीटर लगाने की शुरुआत की है। जिला मुख्यालय के एलआईसी तिराहे के पास दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम आगरा ने वाणिज्य निदेशक अजय अग्रवाल और अधीक्षण अभियंता आरके यादव ने उपभोक्ता रामसागर पांडेय के आवास पर जिले का पहला स्मार्ट लगाकर उन्हें माला पहनाकर सम्मानित किया। इस मौके कर निदेशक ने बताया कि उपकेंद्रों के फीडर के साथ ट्रांसफार्मरो पर भी स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। साथ ही घरों और दुकानों में स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। जिससे उपभोक्ता एक–एक यूनिट का हिसाब रख सकेगा।

पहले चरण में लगेगें 65 हजार स्मार्ट मीटर– विद्युत अधीक्षण अभियंता आरके यादव ने बताया कि जिले में एक लाख 80 हजार विद्युत उपभोक्ता है। पहले चरण में जिला मुख्यालय के सभी 65 हजार उपभोक्ताओं के घरों, सरकारी कार्यालयों और दुकानों में स्मार्ट मीटर लगाए जायेगे।

शव रखकर सड़क जाम करने वालों पर मामला दर्ज

मऊ, चित्रकूट (आरएनएस)। दुकानदार की मौत के बाद शव को झांसी–मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रखकर जाम लगाना परिजनों व ग्रामीणों को भारी पड़ गया। जाम करने वाले नौ नामजद व 80 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज हो गया।रैपुरा के देउंधा में दुकानदार की मौत के बाद शव को झांसी–मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रखा। इससे जाम लगा गया था। थाना प्रभारी की तहरीर पर नौ नामजद व 80 अज्ञात के खिलाफ राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध करना, यात्रियों के साथ धक्का मुक्की, हाथापाई व गाली–गलौज, वाहनों पर पत्थर बाजी करने के तहत मामला दर्ज किया गया है। देउंधा निवासी 49 वर्षीय दुकानदार रोहिणी प्रसाद के साथ 11 जुलाई की रात को ककरौली निवासी पद्दू यादव, इटवा के चमरुआ पुरवा निवासी धर्मेंद्र पुत्र अवधेश, सूरजभान पुत्र लखन बलवंत का पुत्र ने मारपीट थी। चार माह बाद रविवार को प्रयागराज के कमला नेहरू अस्पताल में उसकी मौत हो गई थी। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने झांसी मिर्जापुर हाईवे पर शव रखकर जाम लगा दिया था।

थाना प्रभारी ने बताया कि कुछ लोगों ने उकसाने, भड़काने व जाम लगवाने में देउंधा निवासी पंकज, कोमल पुत्र रामअवतार, राममिलन पुत्र शिवकुमार, सोनू पुत्र जयप्रकाश, सानू पुत्र पन्नालाल, राज पुत्र सवारे, विनोद पुत्र द्वारिका, महेश पुत्र शिवमंगल तथा थाना मऊ के कोरी पुरवा चकोर चौबे पुत्र बग्गड तथा 80 अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

22 क्वार्टर देशी शराब बरामद

चित्रकूट(आरएनएस)। भरतकूप थाना के एसआई अभिषेक सिंह ने टीम के साथ कलुवा पुत्र सुखमल निवासी रौली कल्याणपुर को 22 क्वार्टर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया।

चाकू व कच्ची शराब के साथ पांच गिरफ्तार

श्रावस्ती (आरएनएस)। थाना को0 भिनगा पुलिस' ने कोयली उर्फ कवके पुत्र विद्याराम निवासी केवरनिया थाना को0 भिनगा जनपद श्रावस्ती को 1 अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार कर थाना को0 भिनगा पर 4ध्25 आर्म्स एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया गया। थाना सोनवा पुलिस' ने अभियुक्त विनोद कश्यप पुत्र स्व0 पप्पू कश्यप निवासी नासिरगंज महादेवा थाना सोनवा जनपद श्रावस्ती को 01 अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार कर थाना सोनवा पर 4ध्25 आर्म्स एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया गया।

थाना हरदत्तनगर गिरंट पुलिस' ने अभियुक्त मुंशीलाल पुत्र बाबूराम निवासी महादेवा दा0 महादेवा सालारपुर थाना हरदत्तनगर गिरंट जनपद श्रावस्ती को 01 अवैध चाकू के साथ गिरफ्तार कर थाना हरदत्तनगर गिरंट पर 4ध्25 आर्म्स एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया गया।

थाना मल्हीपुर पुलिस' ने अभियुक्त संतोष पुत्र झलूसे निवासी कथरामाफी थाना मल्हीपुर जनपद श्रावस्ती को 10 लीटर अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर थाना मल्हीपुर पर 60 आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया। 'थाना को0 भिनगा पुलिस' ने अभियुक्त रामनरेश पुत्र प्रताप निवासी हरिहरपुर रानी थाना को0 भिनगा जनपद श्रावस्ती को 10 लीटर अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार कर थाना को0 भिनगा पर 60 आबकारी अधिनियम में अभियोग पंजीकृत किया गया। जनपद श्रावस्ती के विभिन्न थाना क्षेत्रों से शांतिभंग करने के आरोप में कुल 10 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर पाबंदी हेतु रिपोर्ट प्रेषित की गयी। यातायात माह के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरूद्ध जनपदीय पुलिस द्वारा विभिन्न स्थानों पर बैरियर चेक पोस्ट लगाकर चेकिंग गयी, जिसके अन्तर्गत विभिन्न चेक पोस्टों पर वाहनों की चेकिंग की दौरान 170 वाहनों का मोटर अधिनियम से ई–चालान कर रू0 1,72,000 का शमन किया गया।

शीतलहर से बचाव हेतु जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक संपन्न हुंई

श्रावस्ती (आरएनएस)। जनपद वासियों को शीतलहर से बचाने हेतु जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक मंगलवार को सायंकाल जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष एवं प्राधिकरण के सह अध्यक्ष दद्दन मिश्र एवं प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारीध्अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) अमरेन्द्र कुमार वर्मा भी उपस्थित रहे। बैठक में जिलाधिकारी ने शीतलहर को लेकर विभागीय तैयारियों को चुस्त दुरुस्त करने व ससमय पूर्ण कराने का निर्देश दिया। अधिकारियों को संबोधित करते हुए प्राधिकरण के सह अध्यक्ष दद्दन मिश्र ने कहा कि जनपद के दुर्बल आय वर्ग के लोगों को समय से योजनाबद्ध तरीके से कंबल वितरण किए जायें। सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलावायें और शीतलहर से बचाव संबंधित सभी उपाय किए जायें। सड़कों पर कोहरे से बचाव के रेडियम पट्टी का उपयोग किया जाये। रैन बसेरों को सुचारु रूप से संचालित किया जाये।जिलाधिकारीध्अध्यक्ष प्राधिकरण अजय कुमार द्विवेदी ने कहा कि शीतलहर से बचाव संबंधित सभी तैयारियां समय से पूर्ण करें। सभी तहसील अपने कंबल वितरण लक्ष्य के सापेक्ष तैयारी कर लें एवं सड़कों पर कोहरे से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए परिवहन विभाग एवं लोक निर्माण विभाग टीम बनाकर कार्य करें। स्वास्थ्य विभाग अपनी तैयारियां पूरी रखें। साथ ही गौशालाओं में गायों को ठंड से बचाने हेतु सभी तैयारियां की जायें। आम जन को बचाने के लिए रैन–बसेरों का संचालन किया जाये साथ ही नगर पालिका व नगर पंचायत द्वारा फ्रेट्रोलिंग टीम बनायी जाये जो यह ध्यान रखे की शीललहर में कोई नागरिक खुले में न सोये।

सूचना

सार्वाधिक सूचित किया जाता है कि भारतीय जीवन बीमा निगम (एल आई सी)पालिसी नम्बर है 314324611= तहमीम बेगम पत्नी सफीक और तस्लीमुन निशा पत्नी सफीक यह दोनो नाम एक ही महिला का नाम हैं। सही नाम तहमीम बेगम पत्नी सफीक है जो सत्य है।

पता–ग्राम व पोस्ट कसिया पूर्व , मूरतगंज जनपद कौशाम्बी उ0प्र0 पिन कोड 212201

पराली जलाने वालों पर हुई कार्यवाही

कुशीनगर। उप कृषि निदेशक आशीष कुमार ने बताया कि जनपद में पराली जलाने की घटनाओं में निरंतर वृद्धि को रोकने के लिए जिला प्रशासन ने कठोर कदम उठाते हुए किसानों पर जुर्माना अधिरोपित करने की बड़ी कार्यवाही की गई है। जनपद में अब तक पराली जलने की 56 घटनाएं रिपोर्ट में आई है। जिस पर गंभीर होकर हाटा तहसील द्वारा 39, कसया तहसील द्वारा 19 एवं कप्तानगंज तहसील द्वारा दो किसानों पर नियमानुसार जुर्माना अधिरोपित करने के कार्यवाही की गई है। जिलाधिकारी द्वारा राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को पराली जलाने की घटना के संबंध में कार्यवाही करने में शिथिलता न बरतने के निर्देश दिए गए हैं। बिना स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम या पराली प्रबंधन के यंत्र के साथ धान कटाई कर रहे कंबाइन हार्वेस्टरों को तत्काल सीज करने का निर्देश दिया गया हैं। उन्होंने किसानों से उन्नतशील कृषि यंत्रों जैसे मल्चर, रोटरी स्लैशर, स्ट्रा रीपर एवं पैडी स्ट्रा चॉपर आदि का प्रयोग करते हुए पराली का उपयोग खेत में ही करने का अनुरोध किया। जिससे वह किसी भी प्रकार की कानूनी कार्यवाही से बच सकें। जिन गांवों में एक से अधिक घटनाएं प्रकाश में आई है। उनके प्रधानों को भी कठोर निर्देश जारी किए गए हैं कि वह अपने क्षेत्र में पराली जलने की घटनाओं पर अंकुश लगाना सुनिश्चित करें। कृषि विभाग द्वारा पराली प्रबंधन हेतु बायो डी कंपोजर की व्यवस्था की गई है। जिसका वितरण राजकीय बीज भंडारों के माध्यम से किसानों के मध्य निःशुल्क कराया जा रहा है।

प्रज्ञा सिंह ने लगाई न्याय की गुहार

अयोध्या।(आरएनएस) अयोध्या मण्डल की सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त गाइड प्रज्ञा सिंह ने कार्यकारी प्रादेशिक सचिव आनन्द सिंह रावत पर मानसिकध् शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। मामले की शिकायत पत्र लखनऊ कमिश्नरेट व महानगर थाने में देकर कार्यकारी प्रादेशिक सचिव के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करके कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही महिला आयोग तथा सामाजिक संगठनों से भी मदद की गुहार की है।

प्रज्ञा सिंह ने अपना एक वीडियो क्लिप जारी कर आपबीती बयां की है। उन्होंने लखनऊ महानगर थाने की पुलिस पर भी सही ढंग से प्राथमिक दर्ज करने में हीला–हवाली करने व आरोपित के खिलाफ सतही कार्रवाई का आरोप लगाया है। बताया कि न्यायालय जाकर पुलिस विभाग को निर्देशित करने को आवेदन– पत्र दाखिल किया। महानगर थाने की पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज तो कर ली लेकिन हल्की धाराओं में। पुलिस को दी शिकायत पत्र में कहा है कि जब वह उक्त पद पर कानपुर मण्डल में तैनात थी उस समय कार्यकारी प्रादेशिक सचिव आनन्द सिंह रावत ने विभिन्न प्रकार से मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न किया। उनके अनैतिक कार्यों को करने से मना करने पर मुझे तरह–तरह की धमकियां दी गईं। सहायक प्रादेशिक

➤ कार्यकारी प्रादेशिक सचिव पर मानसिक, शारीरिक प्रताड़ना का गया आरोप

➤ वीडियो क्लिप वायरल कर संगठनों से भी मांगी सहायता

➤ कानपुर में तैनाती के दौरान गलत और अनैतिक कार्यों के न करने पर प्रताड़ना

संगठन आयुक्त गाइड प्रज्ञा सिंह का कहना है कि विभागीय बैठकों में बुलाना रोक दिया गया। मुझे कानपुर मण्डल से अयोध्या मण्डल के लिए स्थानान्तरित कर दिया गया। प्रादेशिक मुख्य आयुक्त पर भी शिकायती पत्र की सही ढंग से जांच न कराने का आरोप लगाया है। बताया कि जांच समिति के समक्ष लिखित आपत्ति दर्ज करायी तो उसे समिति ने अमान्य कर दिया।

निषादराज क्रूज से संगम तट पर पहुंचे पीएम।

महाकुम्भ नगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निषादराज क्रूज पर सवार होकर संगम नोज पर पहुंचे। किला घाट पर फ्लोटिंग जेटी से होते हुए वो क्रूज पर सवार हुए। व्हाइट कुर्ता–पजामा, ब्लू जैकेट, मैरून कलर की शॉल पहने पीएम मोदी ने क्रूज पर सवार होने के बाद डेक पर खड़े होकर यमुना की लहरों को निहारा। यहां से वह घूम–घूमकर पूरे क्षेत्र का अवलोकन भी करते नजर आए। इसके बाद रिवर क्रूज पर विहार का भी आनंद उठाया। संगम नोज पर सीएम योगी और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने एक बार फिर उनका स्वागत किया। इसके बाद पीएम मोदी ने साधु संतों से मुलाकात की और उनका अभिवादन किया। इस दौरान एक संत ने उन्हें मोतियों की माला भी भेंट की।

नगर विकास मंत्री ने 'लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' के साथ खिंचवाई फोटो

प्रयागराज। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने जमुना क्रिश्चियन में बने।

'लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में दर्ज रंगोली का अवलोकन कर सेल्फी प्वॉइंट में फोटो शूट कराया। कहा कि इस महाकुंभ में प्रयागराज का वैभव पुनर्स्थापित हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रयाग तीर्थ के विकास और निर्माण कार्यों में कोई कसर नहीं छोड़गे। प्रयाग नगर से खुद मेरा निजी जुड़ाव है। सांस्कृतिक धरोहर को मजबूत करने का हरसंभव कार्य किया जा रहा है। प्रमुख मंदिरों का जीर्णोद्धार। तथा शिवालय पार्क का निर्माण हो रहा है।

पीसीएस प्री का परिणाम डेढ़ माह में देने की तैयारी, जनवरी के अंत में जारी हो सकता है रिजल्ट

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 के आयोजन की तिथि से डेढ़ माह के भीतर परिणाम देने की तैयारी में है। ऐसे में आयोग अगले साल जनवरी के अंतिम सप्ताह या इससे पहले प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी कर सकता है। कई बार स्थगित हो चुकी पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा का अंतिम चयन परिणाम वर्ष 2024 में ही जारी करने की तैयारी थी। लेकिन, विभिन्न कारणों से यह परीक्षा टलती रही और अभ्यर्थी सालभर प्रारंभिक परीक्षा का इंतजार ही करते रह गए। अब 22 दिसंबर को प्रदेश के सभी 75 जिलों के 1331 केंद्र में यह परीक्षा होने जा रही है। इस परीक्षा के लिए 576154 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए हैं। इससे पूर्व आयोग ने पीसीएस परीक्षा–2023 का अंतिम चयन परिणाम आठ माह नौ दिन में जारी किया था। वहीं, प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम 44 दिनों में जारी किया था। प्रारंभिक परीक्षा 14 मई 2023 को आयोजित की गई थी। 26 जून 2023 को परिणाम घोषित कर दिया था। इस बार भी आयोग ने डेढ़ माह के भीतर प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम जारी करने की तैयारी की है। अगर आयोग पीसीएस–2023 की तरह पीसीएस–2024 का भी चयन परिणाम आठ से नौ माह के भीतर जारी देता है तो पीसीएस–2024 की चयन प्रक्रिया अगले साल अगस्त या सितंबर में पूरी हो जाएगी। आयोग के सूत्रों का कहना है कि इस बार पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम रिकॉर्ड समय में जारी किए जाने की तैयारी है, ताकि यह भर्ती समय से पूरी कराई जा सके।

महज देरी के आधार पर खारिज नहीं किया जा सकता मृतक आश्रित का दावा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आर्थिक तंगी से जूझ रही मृतक आश्रित बेटी को शिक्षा विभाग में तीन महीने में नियुक्ति देने का आदेश दिया है। कहा कि केवल पांच साल देरी से दावा करने के आधार पर नौकरी देने की मांग नहीं खारिज की जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि दावे पर विचार करते वक्त परिवार की आर्थिक स्थिति पर भी सोचना होगा। हालांकि, मौजूदा मामले में याची ने नाबालिग रहते हुए।

पीएम ने लेटे हनुमान मंदिर की अर्चना कर कॉरीडोर का निरीक्षण किया

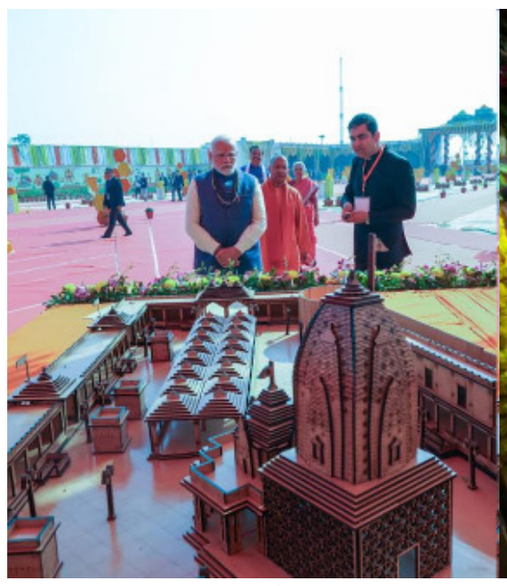

महाकुम्भनगर। उत्तर प्रदेश में महाकुम्भ–2025 के सफल आयोजन के लिए बतौर प्रमुख यजमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तीर्थराज प्रयागराज स्थित बड़े हनुमान मंदिर में जाकर प्रभु हनुमान के श्रीविग्रह के आगे शीश झुकाकर विधिवत पूजन–अर्चन किया। ज्ञान–भक्ति, शक्ति व सर्व सिद्धि प्रदाता चिरंजीवी प्रभु हनुमान के समक्ष महाकुम्भ–2025 को सफल बनाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने जलाचमन, सिंदूर–लाल चंदन, नैवेद्य व माला अर्पण कर सनातन शक्ति के जागरण का आह्वान किया। उन्होंने धूप–दीप अर्पण के साथ ही रुद्राक्ष की माला भी प्रभु बड़े हनुमान के श्रीचरणों में अर्पित की। यह सर्व विदित है कि प्रत्येक वर्ष प्रभु हनुमान के इस चमत्कारी विग्रह का स्वयं मां गंगा स्नान करती हैं। ऐसे में, महाकुम्भ–2025 के सफल आयोजन को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने भक्ति की शक्ति को जागृत करने का कार्य तीर्थराज प्रयागराज में पूजन–अर्चन के जरिए किया। उन्होंने बड़े हनुमान मंदिर में सनातन संस्कृति के प्राण प्रभु श्रीराम की शाश्वत भक्ति के प्रतिमान हनुमान के समक्ष प्रार्थना की। 'अगाध आस्था के अमृतकाल' में सनातन शक्ति के जागरण, सनातन मूल्यों की स्थापना व सकल विश्व में सनातन हितों की रक्षा के उद्देश्य को लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने प्रार्थना की। बड़े हनुमान मंदिर में प्रभु हनुमान के श्रीचरणों में बैठकर बतौर प्रमुख अर्चक प्रधानमंत्री मोदी ने विधिवत तरीके से पूजन–अराधना पूर्ण की। इस दौरान बड़े हनुमान मंदिर के महंत तथा श्रीमठ बाघंबरी पीठाधीश्वर बलबीर गिरि जी महाराज ने प्रधानमंत्री मोदी की अराधना प्रक्रिया को पूर्ण कराया। इस दौरान उन्होंने बड़े हनुमान को यज्ञोपवीत भी अर्पित किया और आरती उतारी। मंदिर की ओर से मोदी को प्रभु हनुमान के आशीर्वाद स्वरूप रुद्राक्ष की माला और अंगवस्त्र प्रदान किया गया। बड़े हनुमान मंदिर में स्थापित हनुमान जी की प्रतिमा कई मायनों में विशिष्ट है। इस मूर्ति के दाहिने हाथ में गदा है। इससे काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मात्सर्य आदि विकारों को नष्ट करने का भाव लिया जाता है। मूर्ति के बाएं कंधे पर राम–लक्ष्मण हैं, जिससे हृदय में उनकी दृढ़ धारणा का भाव लिया जाता है। मूर्ति के दोनों नेत्र विशेष रूप से खुले हुए हैं जो जागृत होने और अधोगामी विचारों व प्रवृत्तियों से दूर रहने के भाव को प्रदर्शित करते हैं। दाएं पैर के पास उनके पुत्र मकरध्वज की मूर्ति है, जिन्हें अधोपाताल लोक का रक्षक बताया गया है। मकरध्वज के दर्शन एवं धारणा से अधोगामी विचारों से रक्षा होती है। बड़े हनुमान जी का बायां पैर उठा हुआ है जिसे अहिरावण वध तथा अधोलोक से ऊर्ध्व लोक में जाने और अधोगामी विचारों के शमन अथवा दमन की प्रेरणा से जोड़कर देखा जाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने बड़े हनुमान मंदिर के नवनिर्मित कॉरीडोर का भी निरीक्षण किया। इस कॉरीडोर में 38.19 करोड़ की लागत से पहले फेज का कार्य पूरा हो गया है। ऐसे में, उन्होंने 3डी मॉडल देखकर कॉरीडोर के लेआउट संबंधी विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली। उन्होंने विशेषतौर पर महाकुम्भ के अवसर पर यहां दर्शन करने आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने को लेकर हुए प्रयासों की जानकारी ली और समस्त प्रक्रियाओं की विवेचना की। इस दौरान प्रयागराज विकास प्राधिकरण के वीसी अमित पाल शर्मा ने प्रधानमंत्री मोदी को ब्रीफ किया। बड़े हनुमान मंदिर पर पीएम मोदी के साथ ही पूजन–अर्चन प्रक्रिया में सीएम योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा डिप्टी सीएम केशव मौर्य व ब्रजेश पाठक उपस्थित रहे।

रत्न जड़ित, अष्ट धातु से बना विशिष्ट कुम्भ कलश

महाकुम्भ नगर। प्रयागराज महाकुम्भ के आयोजन से पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को त्रिवेणी संगम में पूजा अर्चना कर 13 जनवरी से शुरू हो रहे महाकुम्भ के सफल आयोजन की कामना की। इस दौरान पीएम मोदी ने कुम्भ कलश का भी कुम्भाभिषेक किया। यह कुम्भ कलश रत्नजड़ित है और अष्टधातु का बना हुआ है। त्रिवेणी पूजन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुम्भ कलश का कुम्भाभिषेक भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस कुम्भ कलश की पूजा की, वह रत्न जड़ित है। प्रयागराज मेला प्राधिकरण ने मोतियों से सजे इस अष्ठधातु से निर्मित इस कुम्भ कलश को अमृत रूपी कलश बनाने के लिए इसमें आम का पत्ता और नारियल भी रखा है। इसके साथ ही इसमें गऊशाला, तीर्थस्थलों की मिट्टी रखी गई। इसमें गंगाजल, पंचरत्न, दुर्बा, सुपारी, हल्दी रखी भी रखी गई। पीएम के पास इस कुम्भ कलश को भेजा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने त्रिवेणी पूजन से पहले साधु संतो से भी मुलाकात की। सभी 13 अखाड़ों से दो–दो प्रतिनिधि संगम नोज में आमंत्रित किए गए। इसके अलावा दंडी बाड़ा, आचार्य बाड़ा और खाक चौक व्यवस्था समिति से भी दो दो संत शामिल हुए। श्री पंचायती अखाड़ा महा निर्वाणी की तरफ से पीएम से मुलाकात के कार्यक्रम में शामिल हुए सचिव महंत जमुनापुरी का कहना है कि त्रिवेणी पूजन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी अखाड़े के साधु संतों से मुलाकात की। सबके हाल समाचार पूछे। कुशल क्षेम पूछने के बाद राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने खुद ही सभी संतो का परिचय कराया। श्रीपंचायती अखाड़ा निर्मल के सचिव आचार्य देवेंद्र सिंह शास्त्री का कहना है कि प्रधानमंत्री ने संतों से मुलाकात कर कहा कि सभी आशीर्वाद दीजिए कि मेला दिव्य और भव्य हो। संतो ने उन्हें आशीर्वाद दिया।

इम्पलाइज संघ को मिले सर्वाधिक वोट, रेलवे मेंस यूनियन की हैट्रिक

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे (एनसीआर) जोन में हुए चुनाव में नार्थ सेंट्रल रेलवे इम्पलाइज संघ (एनसीआरईएस) और नार्थ सेंट्रल रेलवे मेंस यूनियन (एनसीआरएमयू) ने अपनी मान्यता बरकरार रखी है। इस चुनाव में इम्पलाइज संघ को जोन में सर्वाधिक 20510 मत मिले, जबकि दूसरे नंबर मेंस यूनियन को 19715 मत मिले। कुल पड़े मतों में से 35 फीसदी का आंकड़ा पार करने की वजह से इन दोनों ही यूनियनों को एक बार फिर से मान्यता मिल गई है। खास बात यह है कि इम्पलाइज संघ को जहां दूसरी बार मान्यता मिली, वहीं मेंस यूनियन ने हैट्रिक बनाई। मेंस यूनियन को इसके पूर्व 2007 एवं 2013 के चुनाव में भी मान्यता मिली थी। हालांकि इस बार मान्यता के चुनाव में स्वतंत्र रेलवे बहुजन कर्मचारी यूनियन (एसआरबीकेयू) ने शानदार उपस्थिति दर्ज कराई। बहुजन कर्मचारी यूनियन 7691 वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रही। यूनियन के इस प्रदर्शन पर तमाम रेलकर्मियों ने आश्चर्य भी जताया। उत्तर मध्य रेलवे कर्मचारी संघ (यूएमआरकेएस) का प्रदर्शन भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। इस संगठन को 4304 वोट मिले। जोन में सबसे खराब प्रदर्शन नार्थ सेंट्रल रेलवे कर्मचारी संघ (एनसीआरकेएस) का रहा, इस यूनियन को मात्र 382 वोट मिले। बता दें कि रेल यूनियन मान्यता का चुनाव इस बार 11 वर्ष के इंतजार के बाद हुआ। 2013 में हुए चुनाव में एनसीआरईएस और एनसीआरएमयू को मान्यता मिली थी। उसके पूर्व 2007 के चुनाव में सिर्फ एनसीआरएमयू को ही मान्यता हासिल हो सकी थी। फिलहाल 2024 के चुनाव में यह दोनों ही यूनियन अपनी साख बचाने में कामयाब रहीं। रेलवे मेंस यूनियन की बात करें तो वह प्रयागराज एवं आगरा मंडल में अव्वल रही, जबकि इम्पलाइज संघ को झांसी मंडल में बड़ी बढ़त मिली। इम्पलाइज संघ एनसीआर मुख्यालय, सिथौली वर्कशॉप एवं झांसी वर्कशॉप में भी आगे रही। इसके पूर्व प्रयागराज स्थित डीआरएम ऑफिस, उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, डीआरएम ऑफिस आगरा, सिथौली वर्कशॉप ग्वालियर, डीआरएम ऑफिस झांसी एवं वर्कशॉप झांसी में सुबह आठ बजे से मतगणना शुरू हुई। सबसे पहले सिथौली वर्कशॉप का परिणाम जारी हुआ। इस चुनाव में कुल वोटों का 30 प्रतिशत या वैध मतों का 35 फीसदी वोट मिलने वाली यूनियन को ही मान्यता मिलती है। इम्पलाइज संघ और मेंस यूनियन को एक बार फिर से मान्यता मिलने के बाद दोनों संगठनों से जुड़े रेलकर्मियों ने खूब जश्न मनाया। डीआरएम ऑफिस और एनसीआर मुख्यालय में परिणाम घोषित होने के बाद रेलकर्मी अपनी–अपनी यूनियनों को मान्यता मिलने पर खूब झूमे। रेलकर्मियों ने आतिशबाजी की और मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। इम्पलाइज संघ के केंद्रीय कार्यालय में चंदन सिंह, आलोक सहगल समेत सैकड़ों रेलकर्मियों ने महामंत्री आरपी सिंह को बधाई दी। वहीं मेंस यूनियन के महामंत्री आरडी यादव को डीएस यादव, नागेंद्र बहादुर सिंह, अरविंद पांडेय आदि ने बधाई दी। उधर, एनसीआर मुख्यालय में इम्पलाइज संघ के महामंत्री आरपी सिंह और मेंस यूनियन के महामंत्री आरडी यादव को पीसीपीओ ने जीत का प्रमाणपत्र सौंपा। पुरानी पेंशन बहाली समेत कई मुद्दों को लेकर हम चुनाव में उतरे। उसे लेकर अब आगे लड़ाई लड़ी जाएगी। – आरपी सिंह, महामंत्री, इम्पलाइज संघ।

अधिकारियों के सामने गिड़गिड़ाने की जरूरत नहीं, आदेश का पालन करना इनका कर्तव्य

प्रयागराज। अदालती आदेश के अनुपालन में अधिकारियों की बेपरवाही चरम पर है। हालात यह हैं कि अवमानना की कार्यवाही के बगैर ये आदेश के अनुपालन में अंगुली तक नहीं हिलाते। वादकारी न्याय के लिए भिखारी की तरह दर–दर भटकने को मजबूर होते हैं। यह तल्ख टिप्पणी न्यायमूर्ति शेखर बी शराफ और न्यायमूर्ति विपिन चंद्र दीक्षित की खंडपीठ ने अशोक की याचिका पर की। कहा, जनता को अधिकारियों के सामने गिड़गिड़ाने व न्याय की भीख मांगने की जरूरत नहीं है। अदालत के आदेश का पालन करना अधिकारियों का कर्तव्य है। मामला जौनपुर के सुजानगंज थानाक्षेत्र के बरजूकला गांव का है। याची अशोक ने 16 साल पहले निजी प्रतिवादियों की ओर से उनकी संपत्ति में हस्तक्षेप के खिलाफ सिविल जज की अदालत में वाद दाखिल किया था। अदालत ने याची के पक्ष में निषेधाज्ञा आदेश पारित कर प्रतिवादियों के हस्तक्षेप पर रोक लगा दी थी। इसके बाद भी प्रतिवादी प्रश्नगत संपत्ति में हस्तक्षेप करने से बाज नहीं आए। इसके खिलाफ याची ने निषेधाज्ञा आदेश का हवाला देते हुए जौनपुर पुलिस और डीएम से शिकायत की, लेकिन वहां भी सुनवाई नहीं हुई। मजबूरन याची को हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ा। याची के अधिवक्ता श्याम शंकर मिश्रा ने दलील दी कि अधिकारियों की ओर से अदालत के आदेशों का अनुपालन नहीं किया जा रहा। याची न्याय को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगा रहा है। कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी संग पुलिस अधीक्षक जौनपुर को याची के पक्ष में दिए गए सिविल कोर्ट के 16 सितंबर 2008 के आदेश का अनुपालन करने का आदेश दिया है।

प्रयागराज के 12 माध्यमिक शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ, कोर्ट से राहत के बाद जारी किया गया आदेश

प्रयागराज। अप्रैल–2005 के पहले जारी विज्ञापनों के तहत चयनित माध्यमिक शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ दिया गया है। अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक सुरेंद्र कुमार तिवारी की ओर से प्रयागराज के 12 शिक्षकों को यह लाभ देने के लिए आदेश जारी किया गया है। पुरानी पेंशन का लाभ माध्यमिक शिक्षा विभाग के उन सभा शिक्षकों को मिलना है, जिनका चयन अप्रैल–2005 के पहले जारी विज्ञापनों के तहत हुआ है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक कार्यालय की ओर से जल्द ही अन्य जिलों के शिक्षकों को भी पुरानी पेंशन का लाभ देने संबंधित आदेश जारी किए जाएंगे। इन शिक्षकों को हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में पुरानी पेंशन दिए जाने का निर्णय लिया गया है।प्रयागराज के जिन शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ दिया गया है, उनमें गौरी पाठशाला इंटर कॉलेज की प्रवक्ता निरुपमा मालवीय, सरदार बल्लभ भाई पटेल इंटर कॉलेज ददौली, हरिसेनगंज के सहायक अध्यापक धर्मराज पटेल, सहायक अध्यापक ओम प्रकाश पटेल, लाल चंद्र इंटर कॉलेज जसरा के सहायक अध्यापक कृष्ण कुमार शामिल हैं। इनके अलावा राजा कमलाकर इंटर कॉलेज शंकरगढ़ के सहायक अध्यापक ओम प्रकाश, बृजेश कुमार यादव, पन्ने लाल, प्रवक्ता अजय कुमार, हरी कृष्ण, कर्नलगंज इंटर कॉलेज के प्रवक्ता सुशांत सिंह, राधा रमण इंटर कॉलेज के प्रवक्ता विजय सिंह, मोती लाल नेहरू इंटर कॉलेज जमुनीपुर के प्रवक्ता उमेश प्रताप सिंह को भी पुरानी पेंशन का लाभ दिया गया है। इन शिक्षकों को चयन अप्रैल 2005 के पहले जारी विज्ञापनों के तहत हुआ था, लेकिन नियुक्ति अप्रैल 2005 के बाद मिली। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट का एक प्रतिनिधिमंडल प्रदेश संरक्षक डॉ. हरि प्रकाश यादव के नेतृत्व में अपर शिक्षा निदेशक माध्यमिक सुरेंद्र तिवारी से मिला। आपत्ति दर्ज कराई कि पुरानी पेंशन से अच्छादित जनपद के सभी शिक्षकों का आदेश एक साथ जारी न करके, अलग से दो–दो या चार–चार शिक्षकों के लिए आदेश जारी किया जा रहा है। अपर शिक्षा निदेशक से मांग की गई कि जनपद के जिन शिक्षकों को पुरानी पेंशन का लाभ मिलना है, उनके लिए एक ही बार में आदेश जारी किया जाए। इस मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष उपेंद्र वर्मा, आय व्यय निरीक्षक सुरेंद्र प्रताप सिंह, प्रदेश मंत्री तीर्थराज पटेल समेत संदीप शुक्ला, सुरेश पासी, मोहम्मद जावेद, मिथिलेश मौर्य मौजूद रहे।

22 से 24 दिसंबर तक निरस्त रहेगी प्रयागराज-बरेली एक्सप्रेस

प्रयागराज। प्रयागराज संगम–बरेली एक्सप्रेस 22 से 24 दिसंबर तक निरस्त रहेगी। इसके अलावा त्रिवेणी एक्सप्रेस 21, 23 एवं 24 दिसंबर को निरस्त रहेगी। टनकपुर से वापसी मेंत्रिवेणी का निरस्तीकरण 20, 22 एवं 23 दिसंबर को होगा। उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के मसीत रेलवे स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य की वजह से इन निरस्त किया गया है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062